भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. +2235

मंगलवार, 01 जनवरी, 2019/11 पौष, 1940 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

विश्व पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी

+2235. डा॰ अशोक बाजपेयीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार आगामी दो वर्षों के दौरान विश्व पर्यटन बाजार में भारत की भागीदारी को बढ़ाने का है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इसके परिणामस्वरूप वर्तमान भागीदारी में कितनी वृद्धि होने की संभावना है; और

(ग) उत्तर प्रदेश में सरकार द्वारा पर्यटन की दृष्टि से विकसित किए जाने वाले स्थलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री के.जे. अल्फोंस)

(क) और (ख) : विदेश स्थित अपने भारत पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से पर्यटन मंत्रालय विदेशी मार्किट में सभी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय यात्रा एवं पर्यटन मेलों तथा प्रदर्शनियों में नियमित भागीदारी करता है । इसमें लंदन में वर्ल्ड ट्रैवल मार्किट (डब्ल्यूटीएम), बर्लिन में इंटरनेशनल टूरिज्मस बोर्स (आईटीबी), मैड्रिड में एफआईटीयूआर आदि शामिल है । इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन के संवर्धन हेतु संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ), पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (पाटा), वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (डब्ल्यूटीटीसी) आदि सहित विभिन्न बहुपक्षीय पर्यटन मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाता है । विभिन्न वैश्विक पर्यटन आयोजनों में भागीदारी मामला दर मामला आधार पर उनकी पात्रता तथा प्रभावशीलता के आधार पर की जाती है ।

(ग) : पर्यटन गंतव्यों का विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों तथा संघ राज्य/ क्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है । तथापि, पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन अवसंरचना के संवर्धन हेतु स्वदेश दर्शन तथा प्रशाद सहित अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता देता है । उपरोक्त योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार हेतु स्वीकृत परियोजनाओं की सूची **अनुबंध** में दी गई है ।

अनुबंध

विश्व पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी के संबंध में दिनांक 01.01.2019 के राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं. +2235 के भाग (ग) के उत्तर में **विवरण**

उत्तर प्रदेश राज्य सरकार हेतु स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**योजना/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1	स्वदेश दर्शन (2016-17)	चित्रकूट और श्रृंग्वेरपुर में रामायण परिपथ का विकास	69.45
2	स्वदेश दर्शन (2016-17)	श्रावस्ती, कुशीनगर एवं कपिलवस्तु में बौद्ध परिपथ का विकास	99.97
3	स्वदेश दर्शन (2016-17)	आध्यात्मिक परिपथ (शाहजहांपुर -बस्ती -अहर -अलीगढ़-कासगंज -सरोसी - प्रतापगढ़ - उन्नाव - कौशाम्बी - मिर्जापुर - गोरखपुर-कैराना-डुमरियागंज-बागपत-बाराबंकी-आजमगढ़) का विकास	68.39
4	स्वदेश दर्शन (2016-17)	आध्यात्मिक परिपथ-।। (बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सलेमपुर - घोसी - बलिया - अम्बेडकर नगर - अलीगढ़ - फतेहपुर -देवरिया - महोबा - सोनभद्रा - चंदौली - मिश्रिख - भदोही) का विकास	63.77
5	स्वदेश दर्शन (2016-17)	विरासत परिपथ (कालिन्जर किला (बांदा), मरहर धाम (संत कबीर नगर), चौरी-चौरा शहीद स्थल (फतेहपुर), मावाहर स्थल (घोसी), शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	34.82
6	स्वदेश दर्शन (2017-18)	रामायण परिपथ के अंतर्गत अयोध्या का विकास	133.30
7	स्वदेश दर्शन (2018-19)	आध्यात्मिक परिपथ ।।। का विकास (जेवर - दादरी -सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा)	14.52
8	प्रशाद (2014-15)	मेगा परिपथ (चरण-।।) के रूप में मथुरा -वृंदावन का विकास	14.93
9	प्रशाद (2014-15)	वृंदावन, जिला मथुरा में पर्यटन सुविधा केंद्र का निर्माण	9.36
10	प्रशाद (2015-16)	वाराणसी -। का विकास	20.40
11	प्रशाद (2017-18)	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन	10.72
12	प्रशाद (2017-18)	प्रशाद योजना - ।। के अंतर्गत वाराणसी का विकास	62.82
		योग	**602.45**

****